समीक्षा

2016 – 2017

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

फ़ोन नं0 9759876088/ 9456595121

E: info@umang-himalaya.com W:www.umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा सन् 2001 में पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में एक स्वयं सेवी संस्था महिला उमंग समिति के रुप में आरम्भ हुई।

महिला उमंग समिति सन् 2001 से स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करने में सफल रही है। आजीविका विकास कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के परिणाम स्वरुप महिला उमंग समिति के सदस्यों ने आपसी विचार विमर्श द्वारा उमंग को स्वयं सेवी संस्था से बदलकर प्रोड्यूसर/उत्पादक कम्पनी करने का प्रस्ताव फरवरी 2008 में पारित किया।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक, बराबर सदस्यता शुल्क द्वारा सुनिश्चित किया गया। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा यह सुनिश्चित करने में सहायक होता है कि बढ़ते उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचे।

आने वाले कुछ वर्षों में उमंग का लक्ष्य 3,000 (तीन हज़ार) उत्पादक सदस्यों को ₹ 15,000 (पंद्रह हज़ार) प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित कराना है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

वर्ष 2016-17 के दौरान उमंग ने अपने हस्त उत्पादित वस्तुओं के प्रमाणीकरण के लिए आइका (आल इंडिया आर्टिज़न्स ऐंड क्राफ्ट वर्कर्स वैलफेयर एसोसिएशन) की सदस्यता ग्रहण की। आइका एक सदस्यता आधारित संगठन है जिसका उद्देश्य भारत के हस्तकला एवं शिल्पकारों की आजीविका को सदृढ़ करना है।

दिनांक 26 और 27 मई 2016 को पैन हिमालयन ग्रासरूट्स डिवेलपमैंट फाउण्डेशन, के सौजन्य से मकाम (महिला किसान अधिकार मंच) की एक बैठक का आयोजन किया गया। यह एक एसा मंच है जो महिलाओं से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर पिछले 2 सालों से

काम कर रहा है जिसमें मुख्य रूप से महिला किसानों के विभिन्न अधिकारों के लिए आवाज़ उठायी जाती है और सरकार से उनके जीवन जीने के अधिकारों को देने की मांग की जाती है। इस बैठक में 14 संस्थाओं के 37 सदस्य तथा 20 गांवों से 25 स्वयं सहायता समूहों के 41 सदस्य सम्मिलित हुए।

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग को जमशेद जी टाटा ट्रस्ट मुम्बई द्वारा सलाहकार के रूप में लद्दाख़ की तीन स्वयं सेवी संस्थाओं के लाभार्थियों की आजीविका बढ़ाने के प्रयासों को सदृढ़ करने के लिए नियुक्त किया गया। इन कार्यशालाओं में उमंग द्वारा लीडरों को उत्पादों की गुणवत्ता व व्यवसाय बढ़ाने तथा उचित लेखा जोखा रखने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इसके फलस्वरूप उमंग के कार्यकर्ताओं को हिमालया स्थित अन्य प्रांतों के रहन सहन व उन समुदायों की चुनौतियों को समझने का अवसर मिला।

विगत वर्षों की भांति इस बार भी उमंग ने फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) की वार्षिक आम सभा, हैदराबाद में प्रतिभाग किया। इस सभा में सभी सदस्य प्रोड्यूसर्स कम्पनियों को ई–कॉमर्स तथा महिला ई–हाट के द्वारा उनके उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने में फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया के सहयोग देने की बात की गयी।

वूमेन ऑन विंग्स संस्था, महिलाओं की आजीविका बढ़ाने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन कर उनके सशक्तीकरण के लिए काम करती है। उमंग ने इस संस्था के साथ दिसंबर 2016 से तीन वर्षों के लिए सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया है, जिसके अंतर्गत समीक्षा वर्ष के अंत तक क्षमता वृद्धि व बुनाई उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु 2 कार्यशालाएं हो चुकी हैं।

समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **80** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **44** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक **144** स्वयं सहायता समूहों द्वारा उमंग की सदस्यता ग्रहण की जा चुकी है जिनमें **1,464 (एक हजार चार सौ चौसंठ)** सदस्य हैं।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया की गयी। जिसके परिणाम स्वरुप संचित रुप से अब तक कुल 208 समूह क्रियाशील हैं इनमें कुल 2838 (दो हज़ार आठ सौ अड़तीस) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में ₹ 1,10,51,330 (एक करोड़ दस लाख इक्यावन हजार तीन सौ तीस) जमा है।

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा समीक्षा वर्ष के दौरान ₹ 30,18,540 (तीस लाख अट्ठारह हज़ार पांच सौ चालीस) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ₹ 8,270** (आठ हज़ार दो सौ सत्तर) **की बचत है।** जिस पर समूहों को ₹ 3,19,249 (तीन लाख उन्नीस हज़ार दौ सौ उन्चास) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ है। इस वर्ष 480 महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ 90,75,299 (नब्बे लाख पच्हत्तर हज़ार दो सौ निन्यानबे) ऋण लिया है, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ 5,04,984 (पांच लाख चार हज़ार नौ सौ निन्यानबे) ब्याज के रूप में अर्जित किये हैं। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

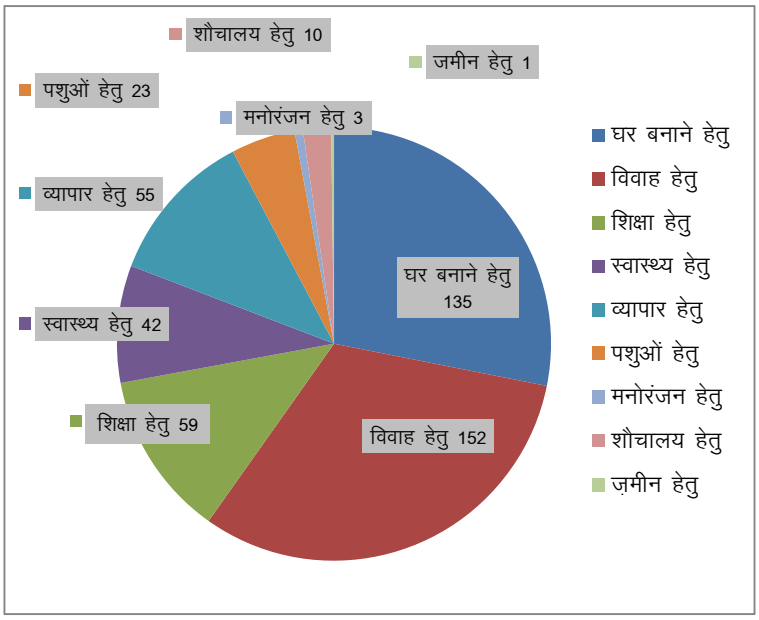

बचत एवं ऋण के साथ–साथ उत्तराखण्ड के 121 (57 %) स्वयं सहायता समूहों के 918 (28 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं। उमंग के कुल 1,464 (एक हजार, चार सौ चौसंठ) अंश धारकों में से 215 सदस्य किसी भी समूह से नहीं जुड़े हैं।

समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई अन्य विकास कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से पर्यावरण संतुलन के लिए स्थानीय पेड़ों के रखरखाव व थावले बनाने का काम जारी रखा गया। इसके अलावा खाल चाल की मरम्मत, जंगल को आग से बचाने के प्रयास भी जारी रहे।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय ₹	सदस्यों को कुल बोनस ₹	सदस्यों की कुल आय ₹	प्रति सदस्य औसत आय ₹
			मात्रा	मूल्य ₹				
1	बुनाई	615	9,167 पीस	49,75,708	18,46,757	1,45,000	19,91,757	3,239
2	फल संरक्षण	179	13,464 कि0	33,30,289	4,54,241	60,000	5,14,241	2,873
3	हिमखाद्य	448	24,313 कि0	50,53,875	28,71,520	95,000	29,66,520	6,622
4	शहद	6	5,332 कि0	8,61,696	7,30,275	–	7,30,275	1,21,713
	कुल			**1,42,21,568**	**59,02,793**	**3,00,000**	**62,02,793**	

उमंग के द्वारा वर्ष 2016–17 के दौरान कुल 1,050 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया, जिनमें कुल 85 प्रतिशत प्रतिभागी (894 सदस्य) उमंग के अंशधारक हैं तथा 15 प्रतिशत प्रतिभागी (156 सदस्य) उमंग के अंशधारक नहीं हैं। उपरोक्त सदस्यों में से 18 प्रतिशत प्रतिभागी 188 सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान %
1	बुनाई	60,97,261	53,04,721	37
2	फल संरक्षण	31,93,073	27,74,522	19
3	हिमखाद्य	53,11,247	50,19,180	35
4	शहद	15,96,519	14,03,917	9
	कुल	**1,61,98,100**	**1,45,02,340**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 8 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹ 1,45,02,340 (एक करोड़ पैंतालीस लाख दो हज़ार तीन सौ चालीस) की। वित्तीय वर्ष में ₹ 3,85,190 (तीन लाख पच्चासी हज़ार एक सौ नब्बे) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.	विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग, नैनी	31,97,243	25,98,328	18
2	हाउस ऑफ उमंग, दिल्ली	4,52,224	4,19,176	3
3	हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल	4,50,060	4,44,038	3
4	फैब इंडिया	20,95,500	15,60,200	11
5	प्रदर्शनियां	19,68,067	18,43,449	13
6	ई–सेल	20,98,299	19,83,564	14
7	स्वयं सहायता समूह	3,22,025	3,09,715	2
8	अन्य रिटेल के माध्यम	56,14,682	53,43,870	36
	कुल	**1,61,98,100**	**1,45,02,340**	**100**

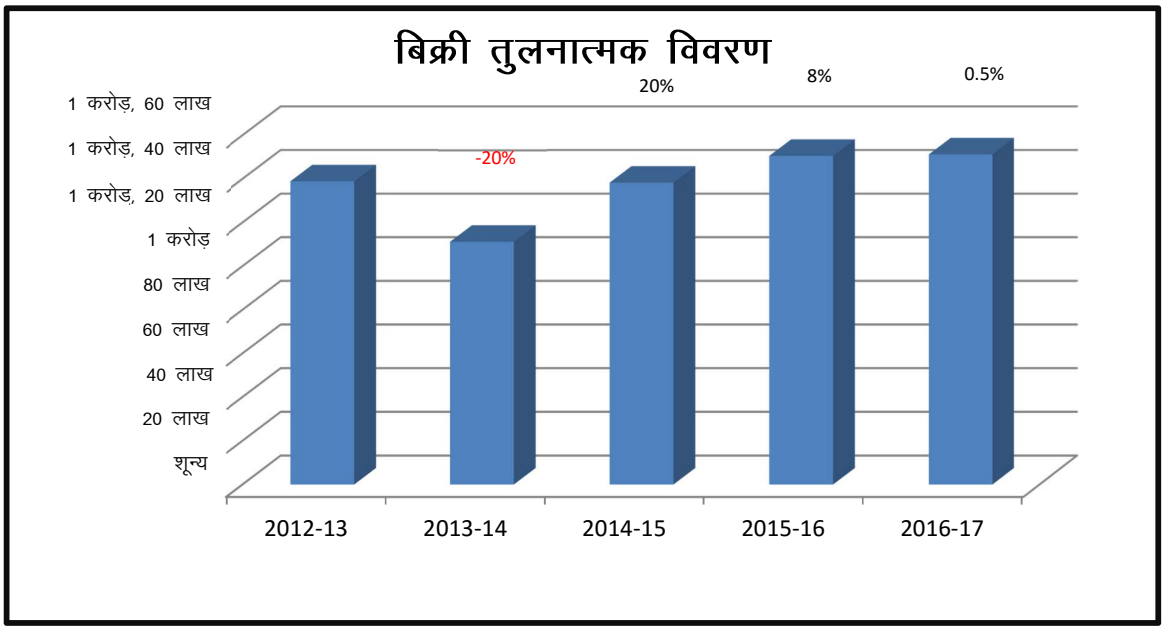

समीक्षा वर्ष के दौरान पूर्व संचालित आजीविका कार्यक्रमों को अधिक सदृढ़ता प्रदान करने के साथ–साथ बाजार की मांग और उत्पादकों के हित को सोचते हुए कुछ नए प्रयास भी किये गये हैं। जिसके अंतर्गत वेब साइट्स के द्वारा उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री उपलब्ध कराने के कुछ नये प्रयास शुरू किये गये।

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **74** महिला स्वयं सहायता समूहों की **615** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में **₹ 17,35,160 (सत्रह लाख पैंतीस हज़ार एक सौ साठ)** अतिरिक्त आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं को उत्पादन के आधार पर **₹ 1,11,597 (एक लाख ग्यारह हज़ार पांच सौ सत्तानबे)** का भुगतान किया गया, साथ ही वित्तीय वर्ष में **₹ 1,45,000 (एक लाख पैंतालीस हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी वार्षिक आय का **8 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश पाने का मौका मिला। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **38 प्रतिशत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

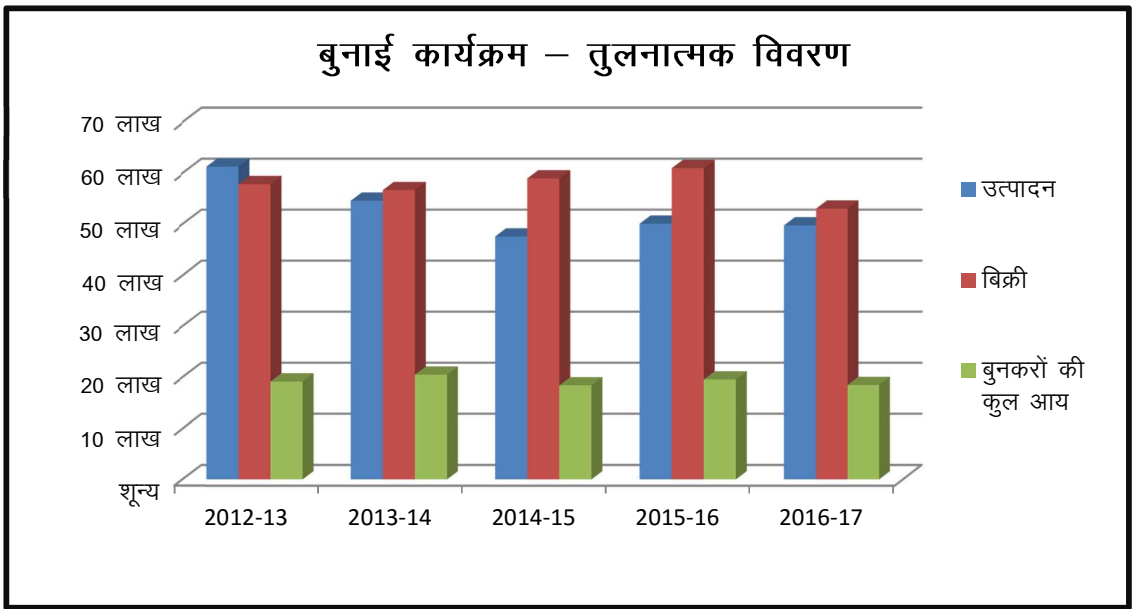

बुनाई कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका

क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय ₹	लीडर आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	गगास अन्य	4	92	7	1,571	3,92,400	32,778	32,675	4,57,853
2	कुजगढ़	4	92	7	2,022	3,45,980	28,612	29,008	4,03,600
3	सोमेश्वर	6	98	9	1,064	3,01,805	26,729	25,220	3,53,754
4	दुसाद	6	133	20	1,158	2,99,645	—	25,122	3,24,767
5	कोसी	3	59	3	1,159	1,28,895	10,636	10,764	1,50,295
6	पनाई	2	34	6	836	96,825	7,608	8,012	1,12,445
7	कनाड़ी	8	46	13	674	94,085	—	7,888	1,01,973
8	माल्यागाड़	2	37	8	412	46,675	3,713	3,892	54,280
9	रिसकन	1	11	1	215	18,380	1,521	1,541	21,442
10	गगास वैली	1	13	1	56	10,470	—	878	11,348
	कुल	**37**	**615**	**75**	**9,167**	**17,35,160**	**1,11,597**	**1,45,000**	**19,91,757**

	बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
	प्रथम	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	1,23,405	10,346	1,33,751	11	12,159
शहरी क्षेत्र	द्वितीय	एकता समूह (मजखाली)	गगास अन्य	87,185	7,310	94,495	11	8,590
	तृतीय	सहयोग समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	72,975	6,118	79,093	11	7,190
	प्रथम	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	73,790	6,187	79,977	16	4,999
ग्रामीण क्षेत्र	द्वितीय	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	41,300	3,357	44,657	10	4,466
	तृतीय	बुनियाद समूह (पातली)	कुजगढ	56,475	4,735	61,210	14	4,372

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य								
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
शहरी क्षेत्र								
प्रथम	माया खर्कवाल	77	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	88	29,600	2,482	32,082
द्वितीय	शबनम ख़ान	785	एकता समूह (मजखाली)	गगास अन्य	98	20,880	1,751	22,631
तृतीय	मंजू तिवारी	476	जीवन ज्योति समूह (ताड़ीखेत)	गगास अन्य	64	19,975	1,675	21,650
चतुर्थ	मंजू कबडवाल	75	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	58	18,920	1,586	20,506
पंचम्	ममता मलवाल	109	सहयोग समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	54	18,335	1,537	19,872

ग्रामीण क्षेत्र								
प्रथम	सरिता बिष्ट	2331	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	44	9,360	785	10,145
द्वितीय	हेमा पंत	2326	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	37	9,120	765	9,885
तृतीय	लता पंत	2325	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	35	8,590	720	9,310
चतुर्थ	तारा बिष्ट	2865	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	121	8,120	681	8,801
पंचम्	हेमा देवी ।।	343	गृह लक्ष्मी समूह (नैनी)	पनाई	31	8,015	672	8,687

बुनाई कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से समीक्षा वर्ष 2016–17 में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली 615 महिलाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

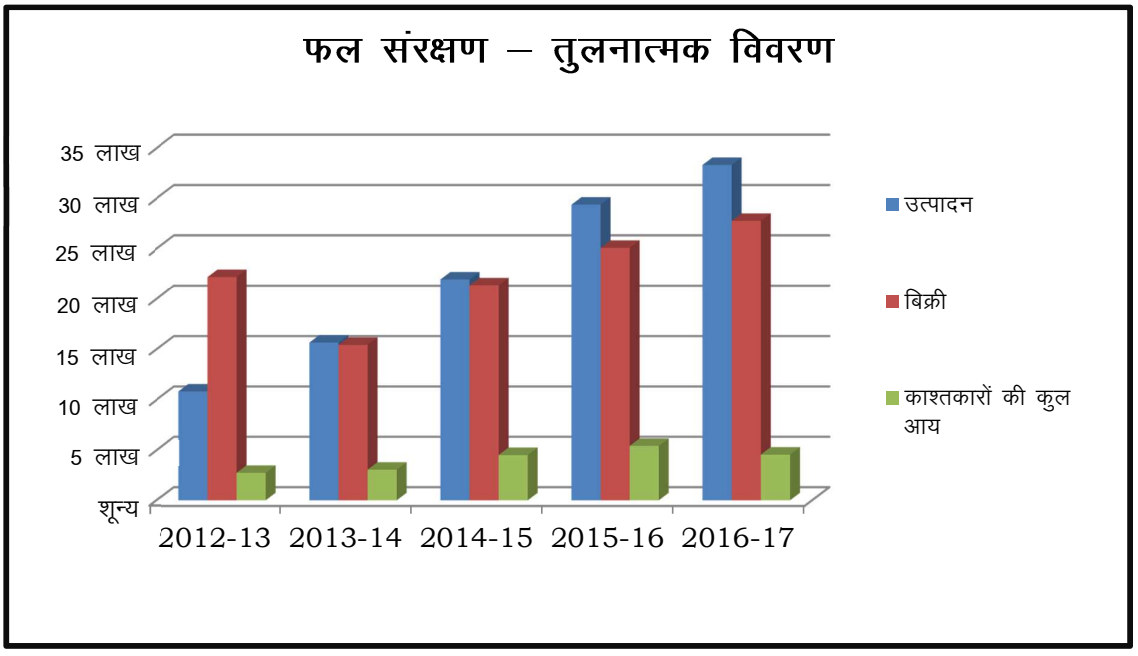

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **37** महिला स्वयं सहायता समूहों के **179** किसान परिवारों से ₹ **4,54,241 (चार लाख चौवन हज़ार दो सौ इकतालीस)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में ₹ **60,000 (साठ हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपनी वार्षिक आय का **13 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **19** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका

क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	4	5	36	32	2,536	1,49,273	22,445	1,71,718
2	पनाई	3	8	42	37	2,259	76,191	11,444	87,635
3	कोसी	3	3	40	38	2,940	59,822	8,980	68,802
4	माल्यागाड़	6	9	21	20	1,619	22,983	3,457	26,440
5	दुसाद	3	4	10	8	1,366	18,710	2,805	21,515
6	अन्य	4	0	5	0	444	12,460	0	12,460
7	कुजगढ़	3	2	6	6	219	4,897	752	5,649
8	गगास अन्य	1	2	4	4	183	3,728	573	4,301
9	कनाड़ी	5	4	5	4	104	1,927	270	2,197
10	सोमेश्वर	1	0	1	0	42	1,890		1,890
कुल (उत्तराखण्ड)		**33**	**37**	**170**	**149**	**11,712**	**3,51,881**	**50,726**	**4,02,607**
11	हिमाचल	5	0	9	5	1,752	1,02,360	9,274	**1,11,634**
कुल		**38**	**37**	**179**	**154**	**13,464**	**4,54,241**	**60,000**	**5,14,241**

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर

क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	1,09,168	16,773	1,25,941	18	6,997
द्वितीय	दुर्गा समूह (दुधोली)	हैडवाटर्स	16,656	2,559	19,215	5	3,843
तृतीय	विश्वास समूह (बनोलिया)	पनाई	49,569	7,615	57,184	15	3,812

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य								
क्रम सं.	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	दुसाद	शोभा जोशी	1443	जय देवी माँ समूह (स्यालसुना)	901	12,126	1,863	13,989
2	गगास अन्य	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना समूह (मजखाली)	74	1,418	218	1,636
3	हैडवाटर्स	उमा देवी	3005	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	400	30,000	4,609	34,609
4	हिमाचल	देवराज सिंह	278	(भेड़ेवाला)	295	17,700	2,719	20,419
5	कनाड़ी	गंगा देवी	3007	आशा समूह (मल्ली सलोनी)	70	910	140	1,050
6	कोसी	गोपुली देवी	2255	किसान समूह (बटुलिया)	269	5,380	827	6,207
7	कुजगढ़	भावना देवी	2783	(पातली)	67	1,637	252	1,889
8	माल्यागाड़	देवकी देवी	66	उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी)	587	7,911	1,215	9,126
9	पनाई	गंगा देवी	359	विश्वास समूह (बनोलिया)	372	16,807	2,582	19,389

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2016–17 में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले 179 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	आम	2,792	36,296	21 %
2	प्लम्	2,593	49,263	19 %
3	लहसुन	2,295	1,55,764	17 %
4	खुमानी	1,437	41,718	11 %
5	स्ट्रॉबैरी	1,329	79,710	10 %
6	काग़ज़ी नींबू	1110	48,787	8 %
7	माल्टा	577	9,535	4 %
8	अमरुद	506	10,120	4 %
9	हरी मिर्च	266	7,974	2 %
10	टमाटर	261	5,220	2 %

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **74** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **448** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, ₹ **28,71,520 (अट्ठाइस लाख इकहत्तर हज़ार पांच सौ बीस)** की आय अर्जित की। बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में ₹ **95,000(पच्चानबे हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का **3 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **59** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

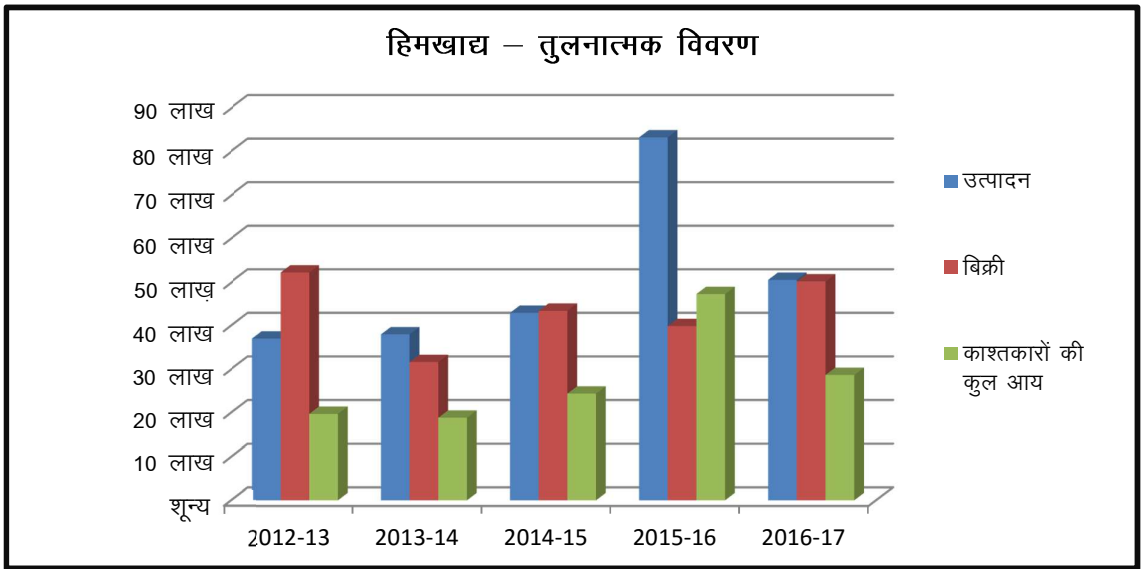

हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	दुसाद	10	23	135	108	4,642	2,62,366	20,016	2,82,382
2	अन्य	2	0	3	0	213	1,62,038	0	1,62,038
3	कोसी	7	6	33	30	1,573	1,46,027	8,940	1,54,967
4	हैडवाटर्स	4	9	46	40	1,406	77,139	6,209	83,348
5	माल्यागाड़	10	20	103	78	3,556	69,364	4,566	73,930
6	कनाड़ी	6	7	23	18	398	37,408	2,983	40,391
7	पनाई	3	5	11	7	485	8,505	549	9,054
8	रिसकन	3	2	3	3	85	6,680	560	7,240
9	गगास वैली	1	1	2	2	333	4,800	402	5,202
10	गगास अन्य	1	1	2	2	147	2,058	173	2,231
कुल (उत्तराखण्ड)		**47**	**74**	**361**	**288**	**12,838**	**7,76,385**	**44,398**	**8,20,783**
11	हिमाचल	41	3	87	36	11,475	20,95,135	50,602	21,45,737
कुल		**88**	**77**	**448**	**324**	**24,313**	**28,71,520**	**95,000**	**29,66,520**

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	महिला उत्थान समूह (टनोला)	कनाड़ी	22,616	1,896	24,512	4	6,128
द्वितीय	जय भूमिया समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	51,638	4,328	55,966	11	5,088
तृतीय	किशोरी समूह (दड़माड़)	दुसाद	8,637	724	9,361	2	4,681

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से								
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	दुसाद	आशा सती	1565	नवनीत समूह (तल्ला सतीनौगाँव)	209	12,416	1,041	13,457
2	गगास अन्य	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना समूह (मजखाली)	116	1,617	136	1,753
3	गगास वैली	चम्पा देवी	3085	कृषि समूह (बासुलीसेरा)	200	3,200	268	3,468
4	हैडवाटर्स	लक्ष्मी शर्मा	2801	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	40	7,110	596	7,706
5	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	83	17,043	1,429	18,472
6	कोसी	किशना देवी	2787	(बना)	316	33,180	2,781	35,961
7	माल्यागाड़	जानकी देवी	2483	लक्ष्मी समूह (डिगोटी)	315	5,039	422	5,461
8	पनाई	कमला देवी	377	जय मां काली (कालिका)	117	2,397	201	2,598
9	रिसकन	बीना देवी	2941	वलना	66	5,260	441	5,701

हिमाचल के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर						
क्रम	समूह का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	चुड़ेश्वर समूह	3,28,345	22,590	3,50,935	14	25,067
द्वितीय	सेन्धार	2,67,723	14,101	2,81,823	17	16,578
तृतीय	खलोगेश्वर महाराज	86,430	6,353	92,783	10	9,278

प्रथम तीन श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – हिमाचल							
क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	मीरा कमल	3061	चुड़ेश्वर समूह (हिंडगा)	237	41,475	3,476	44,951
द्वितीय	नेहा देवी	2896	चुड़ेश्वर समूह (घण्डूरी)	214	39,960	3,349	43,309

तृतीय	सविता देवी	3054	चूड़ेश्वर समूह (घण्डूरी)	230	39,100	3,277	42,377

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2016–17 में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में उत्तराखण्ड से भाग लेने वाले 448 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	उत्पाद ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	अखरोट	10,777	2032436	44 %
2	झुंगरा	2,482	37211	10 %
3	सोयाबीन	2,348	69719	10 %
4	मडुवा	2,186	30606	9 %
5	राजमा	1,041	110699	4 %
6	काला भट्ट	751	41124	3 %
7	अनारदाना	664	14010	3 %
8	तिल	635	76131	3 %
9	चौलाई	475	11873	2 %
10	हल्दी	472	37752	2 %
11	धनिया	418	64863	2 %
12	लाल मिर्च	405	70566	2 %
13	मक्का आटा	350	10500	1 %
14	चावल	347	4968	1 %
15	गहत	324	32560	1 %
16	कैमोमाइल	165	57328	1 %
17	मूंग दाल	130	7870	1 %

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	वर्ष	गाँव	काश्तकार	उत्पादन (किग्रा0)	आय ₹	बिक्री ₹
1	2012–13	45	327	773	3,86,463	7,82,973
2	2013–14	40	377	842	4,21,017	4,95,010
3	2014–15	29	213	547	1,90,388	7,75,323
4	2015–16	24	156	122	30,373	4,30,443
5	2016–17	17	109	165	57,328	3,95,789

जैविक सहभागी प्रमाणीकरण प्रक्रिया

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण (पी0जी0एस0) योजना को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना के अंतर्गत निम्न क्षेत्रों के काश्तकारों ने अपनी ज़मीन पर सजीव खेती करने की प्रतिज्ञा ली। समीक्षा वर्ष के दौरान इन सभी काश्तकारों ने जैविक खेती की प्रक्रिया को जारी रखा।

क्र.सं.	गधेरा	गाँव	स्वयं सहायता समूह	काश्तकार	भूमि (एकड़)
1	दुसाद	15	46	517	359
2	हैडवाटर्स	4	9	144	88
3	कनाड़ी	12	16	188	82
4	कोसी	1	2	34	11
5	माल्यागाड	17	38	420	188
6	पनाई	1	1	18	4
7	रिसकन	1	2	10	14
कुल		**51**	**114**	**1,331**	**746**

4. मौन पालन कार्यक्रम :

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से ₹ **7,30,275 (सात लाख, तीस हज़ार, दो सौ पच्हत्तर)** के शहद का क्रय किया गया। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का **52** प्रतिशत है। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री ₹ **14,03,917 (चौदह लाख, तीस हज़ार, नौ सौ सत्रह)** हुई।

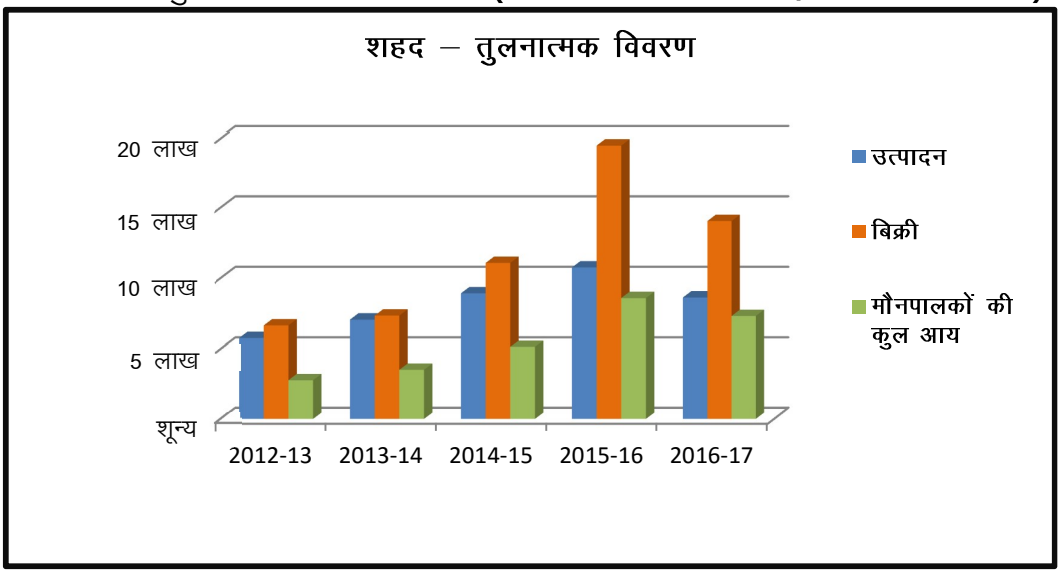

6. बांस कला कार्यक्रम : उमंग की 4 व्यावसायिक इकाईयों के अलावा वर्ष **2015–16** में लोगों की आजीविका बढ़ाने हेतु ग्रासरूट्स की सहायता से बांस उत्पादन को बढ़ावा देते हुए बांस से बने उत्पादों को बाजार में उतारने के प्रयास किये गय थे, जिसकी पहचान उमंग की पांचवी व्यावसायिक इकाई के रूप में करवाई गयी। समीक्षा वर्ष के अंतर्गत 3 बांस बुनकरों ने कुल **152 पीस** का उत्पादन कर ₹ **42,180** कमाया। बांस के उत्पादों की कुल नैट बिक्री ₹ **70,460** हुई।

7. अन्य कार्यक्रम :

मुर्गी पालन :

उंमग द्वारा उपरोक्त आजीविका विकास कार्यक्रमों के साथ–साथ, आय अर्जित करने के अन्य साधनों को बढ़ावा देने के लिये अन्य वर्षों की भांति समीक्षा वर्ष में भी, लघु रूप से मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा, नैनीताल एवं बागेश्वर ज़िले के **9 गाँवों** के **52 परिवार** इस कार्यक्रम से लाभांवित हुए हैं। समीक्षा वर्ष के दौरान इन काश्तकारों को **426 (चार सौ छब्बीस)** मुर्गी के बच्चों का वितरण किया गया। इस परियोजना द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय लगभग ₹ **4,500 से ₹ 5,000** तक हो जाती है, इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ है कि बच्चों के पोषण में अंडों के उपभोग से सुधार आया है।

घरेलू पर्यटन :

उमंग द्वारा ग्रासरूट्स के गठबंधन में आय बढ़ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले नौ वर्षों से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को **2 गाँवों** के **15 परिवारों** में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने ₹ **2,50,000 (दो लाख पचास हजार)** तक की वार्षिक अतिरिक्त आय अर्जित की।

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

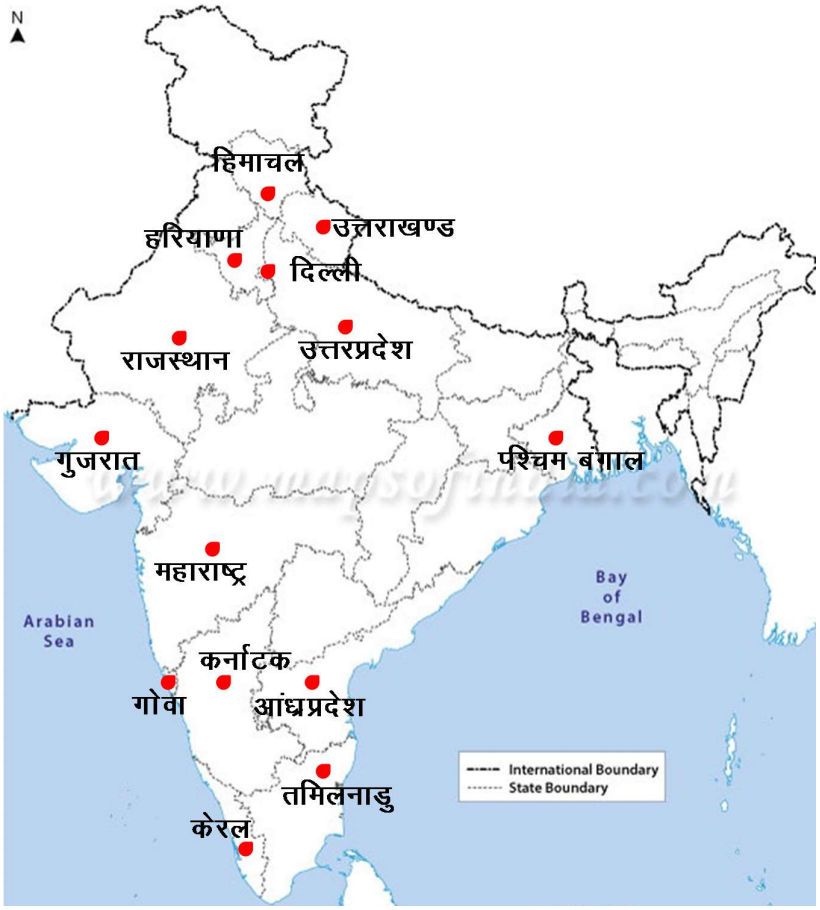

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंश धारक		उमंग उत्पादक				
				प्रतिभागी एस.एच.जी.	प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य	अंश धारक एस.एच.जी.	अंश धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	मौन पालक	एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
1	दुसाद	11	198	26	186	26	169	135	10	133	—	78
2	गगास अन्य	4	93	7	92	7	92	2	4	92	—	3
3	गगास वैली	2	15	2	15	2	15	2	—	13	—	—
4	हैडवाटर्स	4	67	9	59	9	58	46	36	—	—	15
5	कनाड़ी	10	58	15	57	13	52	23	5	46	—	15
6	कोसी	8	109	7	99	7	103	33	40	59	—	23
7	कुजगढ़	4	96	7	92	7	96	—	6	92	—	2
8	माल्यागाड़	14	125	24	110	23	98	103	21	37	1	32
9	अन्य	10	13	1	1	1	1	3	5	—	5	—
10	पनाई	4	68	9	64	9	59	11	42	34	—	19
11	रिसकन	3	14	2	13	2	14	3	—	11	—	—
12	सोमेश्वर	6	99	9	98	9	96	—	1	98	—	—
कुल (उत्तराखण्ड)		**80**	**955**	**118**	**886**	**115**	**853**	**360**	**170**	**615**	**10**	**187**
13	हिमाचल	44	95	3	41	3	41	87	9	—	—	1
कुल		**124**	**1,050**	**121**	**927**	**118**	894	**448**	**179**	**615**	**10**	**188**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	हिमखाद्य उत्पादकों का बोनस	फल उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों का बोनस	बुनकरों की आय	बुनकरों का बोनस	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	कुल यौगिक आय	कुल यौगिक बोनस	कुल यौगिक आय + बोनस
1	हिमाचल	20,95,136	50,602	1,02,360	9,274	—	—	—	—	21,97,496	59,876	**22,57,372**
2	अन्य	1,62,038	—	12,460	—	—	—	—	7,23,975	8,98,473	—	**8,98,473**
3	दुसाद	2,62,366	20,016	18,710	2,806	2,99,645	25,122	—	—	5,80,721	47,944	**6,28,665**
4	गगास अन्य	2,058	172	3,728	573	3,92,400	32,675	32,778	—	4,30,964	33,420	**4,64,384**
5	कुजगढ़	—	—	4,897	752	3,45,980	29,008	28,612	—	3,79,489	29,760	**4,09,249**
6	कोसी	1,46,027	8,940	59,822	8,980	1,28,895	10,764	10,636	—	3,45,380	28,684	**3,74,064**
7	सोमेश्वर	—	—	1,890	—	3,01,805	25,220	26,729	—	3,30,424	25,220	**3,55,644**
8	हैडवाटर्स	77,139	6,209	1,49,273	22,445	—	—	—	—	2,26,412	28,654	**2,55,066**
9	पनाई	8,505	549	76,191	11,443	96,825	8,012	7,608	—	1,89,129	20,005	**2,09,134**
10	माल्यागाड़	69,364	4,566	22,983	3,457	46,675	3,892	3,713	6,300	1,49,035	11,915	**1,60,949**
11	कनाड़ी	37,408	2,983	1,927	270	94,085	7,888	—	—	1,33,420	11,141	**1,44,561**
12	रिसकन	6,680	560	—	—	18,380	1,541	1,521	—	26,581	2,101	**28,682**
13	गगास वैली	4,800	402	—	—	10,470	878	—	—	15,270	1,280	**16,550**
कुल अर्जित राशि		**28,71,520**	**95,000**	**4,54,241**	**60,000**	**17,35,160**	**1,45,000**	**1,11,597**	**7,30,275**	**59,02,793**	**3,00,000**	**62,02,793**

यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 43 प्रतिशत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

समीक्षा वर्ष के अंतर्गत कुल 10 लोगों ने तीनों आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, व हिमखाद्य में अपना योगदान दिया।

कुल यौगिक आय श्रेष्ठ सदस्य (तीन आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, हिमखाद्य से जुड़े)

क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पादों से कुल आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान समूह (टनोला)	कनाड़ी	19,678	1,686	**21,364**
द्वितीय	मंजू देवी	2986	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	मालयागाड़	7,734	677	**8,411**
तृतीय	दीपा देवी	2469	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	मालयागाड	6,522	750	**7,271**

सफलता की ओर एक क़दम.....

श्रीमती मंजू देवी महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी में बुनाई लीडर व निदेशक के रुप में कार्यरत् हैं। मंजू देवी उत्तराखण्ड के एक गाँव मुझोली में अपने परिवार के साथ रहती हैं। वर्ष 2009 में वह समूह के साथ जुड़ी अपनी कार्यकुशलता के कारण मंजू जल्दी ही समूह की संचालक तथा फिर उमंग की बुनाई लीडर बन गयीं। साथ ही मंजू माल्यागाड़ क्षेत्र के 18 गावों के मंच की अध्यक्षा की भूमिका भी निभाती हैं। ग्राम विकास समिति, समूह व गधेरा बचाओं मंच की बैठकों में भाग लेने तथा महिलाओं के साथ मिलने जुलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। वर्तमान समय में मंजू देवी अपने परिवार एवं उमंग की जिम्मेदारियों को कुशलता पूर्वक निभा रही हैं।

सारांश

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **18** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा ₹ **20,88,060 (बीस लाख अट्ठासी हज़ार साठ)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **13** प्रतिशत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **2,865 (दो हज़ार आठ सौ पैसंठ)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने ₹ **4,29,650 (चार लाख उन्तीस हज़ार छः सौ पचास)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 1,050 (एक हज़ार पचास) परिवारों ने ₹ 89,70,503 (नवासी लाख सत्तर हज़ार पांच सौ तीन) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ₹ 8,543) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक मण्डल

श्रीमती इन्द्रा रावत
मालरोड, रानीखेत
कार्यकारी निदेशिका

श्रीमती मीना आर्या,
मालरोड, रानीखेत
अध्यक्ष

श्रीमती इंद्रा कबडवाल
उभ्याड़ी

श्रीमती मंजू देवी,
मुझोली, माल्यागाड़

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत

श्रीमती माया खर्कवाल
कौसानी, सोमेश्वर

श्रीमती उमा देवी,
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती धनुली देवी,
मल्ला सती नौगांव, दुसाद

श्रीमती ईश्वरी रावत
सुरना, हैडवाटर्स

श्रीमती गंगा देवी
बनुलिया

श्रीमती भावना बुधोड़ी
टनोला, कनाड़ी

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।